आईआईएम, रांची ने ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण पर किया काम

कौशल विकास से रोजगार के लिए साथ आए संस्थान

- आईआईएम का झारखंड और तमिलनाडु कौशल मिशन के साथ कार्यक्रम रहा सफल
- एमजीएनएफ फेलोशिप के दौरान 353 जिला कौशल समिति की बैठकें हुईं
- 60 से अधिक योजनाओं का विकास और नवीन समाधानों का कार्यान्वयन हुआ

रांची, प्रमुख संवाददाता। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ साझेदारी में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची ने झारखंड और तमिलनाडु कौशल मिशन के साथ दो वर्षीय महात्मा गांधी नेशनल फेलोशिप (एमजीएनएफ) की शुरुआत की थी, जिसका समापन शनिवार को हुआ।

कौशल पहल के माध्यम से ग्रामीण समुदायों के सशक्तिकरण के लिए तमिलनाडु और झारखंड के अध्येताओं को सलाह देने में गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप ने अहम योगदान दिया। यह पहल जिला-विशिष्ट कौशल पारिस्थितिकी तंत्र पर विशेष ध्यान देने के साथ, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाओं, आर्थिक विकास और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार करने और बाधाओं को दूर करने की दिशा में तैयार की गई है।

व्यावहारिक कौशल व बेहतर बाजार संबंधों को दर्शाया: गुमला में, एमजीएनएफ फेलोशिप ने बाजरा मिशन के कार्यान्वयन को बढ़ाया, प्रधानमंत्री पुरस्कार के साथ राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की। कल्लाकुरिची, तमिलनाडु में, पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी के संरक्षण को कौशल प्रशिक्षण और बेहतर बाजार संबंधों के माध्यम से बढ़ाया गया है। वहीं, लोहरदगा के स्थानीय जनजातीय समुदायों को कौशल प्रदान किया गया है, जिससे उनके उत्पाद बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं।

प्रतिनिधित्व करने वाले अध्येता मौजूद रहे

समापन समारोह में झारखंड व तमिलनाडु के 61 विविध जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 61 अध्येता मौजूद थे। इस पहल में आईआईएम प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में अध्येताओं की कई स्किल कैफे तक पहुंच बनी और उन्होंने परिवर्तनकारी सीखने की यात्रा को बढ़ावा देते हुए कौशल सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

Hindustan_29.10.2023_Pg. 10